GENERAL HINDI

SEMESTER. -I

हिन्दी गद्य साहित्य ।

Theory. **Credits - 3.** **4hrs/week**

Units: 5

Periods: 60

लक्ष्य:

१. विद्यार्थियों को गद्य की विविध विधाओं से परिचित करवाना।

२. हिन्दी भाषा के विशिष्ट साहित्यकारों का परिचय उनकी रचनाओं की विशिष्टता का ज्ञान प्राप्त कर पाना।

३. हिन्दी साहित्य के संक्षिप्त इतिहास से परिचित करवाना।

४. हिन्दी व्याकरण की सभी पहलुओं पर विद्यार्थियों को विशद रूप अध्ययन कराना, क्योंकि व्याकरण ही भाषा की रीढ होती है।

५. विद्यार्थियों को पत्र लेखन के आवश्यक नियमों से अवगत कराना , शिष्ट भाषा का प्रयोग एवं प्रभावपूर्ण लेखन विधि से परिचित करवाना।

Unit-I

१.मित्रता - आचार्य रामचंद्र शुक्ल

२.साहित्य की महता - महावीर प्रसाद द्विवेदी

३.बिंदा - महादेवी वर्मा

Unit-II

१.मुक्तिधन - प्रेमचन्द

२.पुरस्कार - जयशंकर प्रसाद

३. और वह पढ़ गई - डॉ कुसुम वियोगी.

Unit -III

१.हिन्दी साहित्य का इतिहास -

सामान्य परिचय

२.काल विभाजन

Unit - IV

१.कार्यालयीन शब्दावली (अंग्रेजी से हिन्दी, हिन्दी से अंग्रेजी)

२.लिंग

३.वचन

४.काल

५.कारक

Unit - V

पत्र लेखन

१. व्यक्तिगत पत्र

२. आवेदन पत्र

(छुट्टी पत्र, पिता जी के नाम पर पत्र , मित्र के नाम पर पत्र,प्राध्यापक पद केलिए आवेदन पत्र, अनुवादक पद केलिए आवेदन पत्र)

परिणाम: पाठ्यक्रम के सफल समापन के उपरांत विद्यार्थी निम्न विषयों में सक्षम होंगे।

१. निबंध, रेखाचित्र, कहानी जैसी गद्य की विभिन्न विधाओं को समझ पाना एवं विश्लेषण कर पाना।

२.सच्चे मित्र के गुणों से अवगत हो पाना,जो की स्नातक स्तर के विद्यार्थियों केलिए अति आवश्यक है।

३.पठित रचनाओं में दर्शित सामाजिक, ऐतिहासिक , सांस्कृतिक आदि संदर्भों का मूल्यांकन कर पाना।

४.धार्मिक सहिष्णुता,देश प्रेम आदि उत्तम भावनाओं को जागृत कर पाना।

५. हिन्दीसाहित्येतिहास के संक्षिप्त अध्ययन से विविध काल एवं तत्कालीन परिस्थितियों से अवगत होना।

६. व्याकरणिक इकाइयों की समझ एवं प्रभावपूर्ण पत्र लेखन का ज्ञान अर्जित कर सकना।

SEMESTER - II

हिन्दी पद्य साहित्य

Credits - 3 4hrs/week

Theory.

Units: 5

Periods: 60

लक्ष्य:

१.कबीर और तुलसी के दोहों में व्यक्त सामाजिक संदेश जो आज के समय में भी प्रासंगिक है, विद्यार्थियों को उनसे परिचित कराना। सूर के पदों की लयात्मकता से परिचित हो पाना।

२. आधुनिक काल के प्रमुख हिन्दी कवियों का योगदान एवं विभिन्न साहित्यिक परंपराओं में उनके योगदान का आकलन कर सकेंगे।

३.निबंध के माध्यम से विद्यार्थियों के सामाजिक ज्ञान की वृद्धि होना।

४. प्रयोजन मूलक हिन्दी के अंतर्गत विद्यार्थी विभिन्न सरकारी पत्रों से अवगत हो पाना।

५.अनुवाद और संक्षेपण ऐसी कलाएँ हैं, जिनके अभ्यास से विद्यार्थी भाषाओं पर निपुणता हासिल कर सकेंगे।

Unit - I

प्राचीन कविता

१. कबीर दास - ५ दोहे

२. सूरदास - बाल वर्णन

३. तुलसीदास - ५ दोहे

Unit - II

आधुनिक कविता

१. मातृभाषा - भारतेंदु हरिश्चंद्र - ५ दोहे

२. भिक्षुक - सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

३. मादा भ्रूण - रजनी तिलक

Unit - III

सामान्य निबन्ध

१. विद्यार्थी और अनुशासन

२. विश्व भाषा के रूप में हिंदी

३. पर्यावरण प्रदूषण

Unit -IV

प्रयोजन मूलक हिन्दी - परिचय

सरकारी पत्र- परिभाषा एवं पत्र का नमूना

१.परिपत्र

२.ज्ञापन

३.अधिसूचना

Unit - V

१. अनुवाद - अंग्रेजी से हिन्दी(४ - ५ पंक्तियॉ)

तेलुगू से हिन्दी (४ - ५ पंक्तियॉ)

२. संक्षेपण

परिणाम: द्वितीय सत्र के सफल समापन के उपरांत विद्यार्थी निम्न विषयों में सक्षम होंगे।

१.प्राचीन कविता के अध्ययन से विद्यार्थियों में सामाजिक चेतना जागृत होगी, काव्यगत विशेषताओं से परिचित होंगे।

२.आधुनिक काल की विविध प्रक्रियाओं का आकलन तथा विश्लेषण।

३.विभिन्न निबंधों के माध्यम से विद्यार्थियों के सामाजिक ज्ञान की श्रीवृद्धि।

४.प्रयोजन मूलक हिन्दी का ज्ञान प्राप्त कर विद्यार्थी सरकारी तथा गैर सरकारी संगठनों में अनुवादक पद केलिए अपने आप को तैयार कर पायेंगे।

५.अनुवाद अभ्यास जो साहित्यिक एवं अनुप्रयुक्त माध्यम से करवाया जाता है, यह विद्यार्थियों केलिए उपयोगी सिद्ध होगा। संक्षेपण कला के अभ्यास से भाषाई निपुणता प्राप्त कर सकते हैं।

सदर्भ ग्रथ

१. गद्य संदेश - डॉ नरसिंहम शिवकोटि

२.कथालोक- डॉ घनश्याम

३.काव्य दीप- श्री बी राधाकृष्ण मूर्ति

४. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना - डॉ वासुदेव नंदन प्रसाद